विश्व बैंक की पहली डिजिटल रणनीति: कनेक्टिविटी से "छोटे AI" तक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी | समाचार संदर्भ: 20 अक्टूबर 2026 (विश्व बैंक प्रेस-विज्ञप्ति) | प्रकाशित: 23 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

विश्व बैंक समूह ने 20 अक्टूबर 2026 को सियोल (दक्षिण कोरिया) में ग्लोबल AI एंड डिजिटल सम्मिट के दौरान अपनी पहली डिजिटल रणनीति लॉन्च की। इसका लक्ष्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की क्षमताओं को मिलाकर विकासशील देशों में सस्ती डिजिटल पहुँच, बेहतर सेवाएँ और रोजगार बनाना है। विज्ञप्ति के अनुसार 2025 में दुनिया के 2 अरब से अधिक लोग ऑफ़लाइन थे; निम्न-आय देशों में इंटरनेट-उपयोग केवल 23% है, जबकि उच्च-आय देशों में 94%। अगले 10-15 वर्षों में विकासशील देशों में 1.2 अरब युवा कार्य-आयु में आएँगे, जबकि अनुमानित रोजगार केवल 42 करोड़ (420 मिलियन) बनेंगे।

रणनीति के चार क्षेत्र

- **विश्वसनीय कनेक्टिविटी का विस्तार** — अंतरराष्ट्रीय केबल से लेकर घर, विद्यालय और क्लीनिक तक के नेटवर्क; साझा बुनियादी ढाँचा और निजी निवेश आकर्षित करने के लिए सार्वजनिक वित्त व गारंटी।
- **डिवाइस और डेटा सस्ता करना** — स्मार्टफोन-निर्माताओं, मोबाइल कंपनियों और वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी।
- **डिजिटल सेवाएँ और कौशल** — डिजिटल पहचान, भुगतान और सुरक्षित सूचना-साझाकरण की व्यवस्था; रोजगार से जुड़ी डिजिटल साक्षरता।
- **AI की तैयारी** — "छोटा AI" (small AI), यानी किसी खास काम और स्थानीय ज़रूरत के लिए बना सस्ता AI उपकरण, जैसे फ़सल-रोग पहचानने वाला ऐप या स्वास्थ्य-कर्मी की मदद करने वाला सहायक।

साथ ही "AI इंफ्रास्ट्रक्चर एंड रेडीनेस इनिशिएटिव" घोषित हुई — उभरते बाज़ारों को साझा, 'जितना उपयोग उतना भुगतान' आधार पर GPU (ग्राफ़िक्स प्रोसेसिंग यूनिट — AI मॉडल चलाने वाला विशेष कंप्यूटिंग हार्डवेयर) सुविधा दी जाएगी; शुरुआती फ़ोकस अफ्रीका और लैटिन अमेरिका, ज्ञान-भागीदार Cassava Technologies और NVIDIA। चारों प्राथमिकताओं में निजता, साइबर-सुरक्षा और धोखाधड़ी-रोकथाम की सुरक्षा-चौखट अंतर्निहित है।

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

रणनीति की जड़ डिजिटल-विभाजन के आँकड़े हैं: 2025 में दुनिया के 2 अरब से अधिक लोग ऑफ़लाइन; निम्न-आय देशों में इंटरनेट-उपयोग केवल 23% जबकि उच्च-आय देशों में 94%। इसके ऊपर रोजगार-संकट: अगले 10-15 वर्षों में विकासशील देशों में 1.2 अरब युवा कार्य-आयु में आएँगे, जबकि अनुमानित रोजगार केवल 42 करोड़। रणनीति का तर्क है कि सस्ती कनेक्टिविटी, सेवाएँ और कौशल ही इस अंतर को रोजगार-अवसर में बदल सकते हैं।

चारों क्षेत्र क्रमिक तर्क में जुड़े हैं: पहले विश्वसनीय कनेक्टिविटी (अंतरराष्ट्रीय केबल से घर-विद्यालय-क्लीनिक तक, साझा ढाँचा, निजी निवेश के लिए सार्वजनिक वित्त-गारंटी), फिर सस्ते डिवाइस और डेटा (निर्माता-मोबाइल कंपनी-वित्तीय संस्था साझेदारी), फिर डिजिटल सेवाएँ और कौशल (डिजिटल पहचान, भुगतान, सुरक्षित सूचना-साझाकरण), और अंत में AI की तैयारी।

PCSMANTRA.COM

'छोटा AI' (small AI) इस रणनीति की सबसे विशिष्ट अवधारणा है: किसी खास काम और स्थानीय ज़रूरत के लिए बना सस्ता उपकरण — जैसे फ़सल-रोग पहचानने वाला ऐप या स्वास्थ्य-कर्मी सहायक। साथ घोषित 'AI इंफ्रास्ट्रक्चर एंड रेडीनेस इनिशिएटिव' उभरते बाज़ारों को साझा, 'जितना उपयोग उतना भुगतान' आधार पर GPU सुविधा देगी; शुरुआती फ़ोकस अफ्रीका और लैटिन अमेरिका, ज्ञान-भागीदार Cassava Technologies और NVIDIA। चारों प्राथमिकताओं में निजता, साइबर-सुरक्षा और धोखाधड़ी-रोकथाम की सुरक्षा-चौखट अंतर्निहित है।

परीक्षा की दृष्टि से

रणनीति के चार क्षेत्र, 'छोटा AI' की अवधारणा, GPU-साझा पहल और डिजिटल-विभाजन के आंकड़े (2 अरब ऑफ़लाइन, 23% बनाम 94%, 1.2 अरब युवा बनाम 42 करोड़ रोजगार) — प्रिलिम्स तथ्य; डिजिटल शासन और समावेशन पर GS-II/III की मेन्स-सामग्री।

स्रोत और सीमाएँ

- विश्व बैंक प्रेस-विज्ञप्ति, 20 अक्टूबर 2026 (पढ़ी): worldbank.org प्रेस-विज्ञप्ति
- **सीमाएँ:** सभी आंकड़े और घोषणाएँ विश्व बैंक की 20 अक्टूबर 2026 की विज्ञप्ति से; रणनीति का कार्यान्वयन-परिणाम भविष्य का विषय है।

PCSMANTRA.COM